UTTAR PRADESH

2 Rs

INDIA

दो रुपया

TWO RUPEES भारत TWO RUPEES

:: ओ३म् ::

मै कि श्री ग्याप्रसाद पुत्र श्री हीरालाल बघेले ठाकुर निवासी गांव अलीनगर केनरा परगना व तहसील फीरोजाबाद जिला आगरा का हूं ।

जो कि मै मौजा मिल्क खानजहानपुर परगना व तहसील फीरोजाबाद जिला आगरा मे अपने खाता नम्बर बासट सन १३८१ फसली की आराजी गाटा संख्या एक सौ आठ रकबा चार बीघा चौदह बिस्वा पन्द्रह बिस्वासी पुख्ता लगानी चौबीस रुपया दस पैसे सालाना का काश्तकार सीरदार हूं कि जिसका बीसगुना लगान मैने आज की तारीख मे नियमानुसार स्टेट बैंक फीरोजाबाद मे बजरिये चालान संख्या २६ जमा कर दिया है और मै भूमधर हो गया हूं और मेरा लगान भी आधा रह गया है इस तौर मै आराजी गाटा संख्या एक सौ (४-१५) आठ रकबा चार बीघा चौदह बिस्वा पन्द्रह बिस्वासी पुख्ता का काश्तकार भूमधर व मालिक कामिल व काबिज तनहा हूं जिसमे मेरा कोई भी साझीदार व भागीदार नही है कि जो मेरे किसी तरह के किसी इन्तकाल मे बाधक हो कि जिसकी बाबत मुझको जुमला हक मालकाना आदि हरकिस्म हासिल है और चूंकि आराजी मजकूर की काश्त से मुझको कोई खास लाभ नही हो पाता है और मुझे अपनी घरू जरूरियात लाबुदाला के लिए रुपया दरकार है और आराजी मजकूरेबाला की कीमत बहुत ही मुनासिब व माकूल व बाजारी मिलती है कि जिससे मेरा लाभ है अतएव मैने (४-१५) आराजी गाटा संख्या एक सौ आठ (१०८) रकबा चार बीघा चौदह बिस्वा पन्द्रह बिस्वासी पुख्ता लगानी बारह रुपया पांच पैसे सालाना बहिसाब भूमधरी बाके मजकूर का सौदा पुख्ता मय समस्त अधिकारों के राजी खुशी के साथ मुबलिग (२००००) बीस हजार रुपया श्रीमती लज्जावती देवी पत्नी

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१०-१२-६८

UTTAR PRADESH 25 nP

INDIA

पचीस नये पैसे पचीस नये पैसे

भारत

TWENTY FIVE NAYE PAISE

डाक्टर महेशचन्द्र अग्रवाल वैश्य अग्रवाल निवासन मुहल्ला चाऊ कस्वा फीरोजावाद जिला आगरा से किया है और मिनजुमला रकम मजकूर के मुवलिग

(१५००)

एक हजार पांच सौ रुपया व्याने मे नगद रोवरू गवाहान हासिया वसूल पाकर इकरार हस्व जैल करता हूं।

।१। यह कि मै आज से अन्दर छै माह के खेत मजकूर की फसल काटकर और खेत खाली करके खेत का वैनामा तकमील व तहरीर करके हस्व इत्मीनान खरीदारा व हस्व मसौदा खरीदारा रजिस्टरी कर दूंगा और खाली खेत पर कव्जा खरीदारा को कर दूंगा और वक्त रजिस्टरी शेष अठारह हजार पांच सौ रुपया (१८५००) पाऊंगा यदि मै वैनामा करने मे कासिर रहूं तो खरीदारा को हक होगा कि वह जवरिया वैनामा अदालत द्वारा करा लें और जो खर्चा पड़े वसूल कर लें

।२। यह कि खरीदारा अन्दर म्याद मजकूर खेत खाली होने के वावजूद वैनामा नहीं करावेगी तो वरव्याना सोख्त हो जावेगा।

।३। यह कि खर्चा वैनामा वजिम्मे खरीदारा है।

।४। यह कि खेत हर तौर पर पाक व साफ है जिसका इत्मीनान खरीदारा जिस तौर चाहेगी करा दूंगा।

।५। यह कि आराजी मजकूरेवाला का सौदा मैने आज तक किसी से नही किया है और न करूंगी और शरायत मजकूरेवाला का पावन्द रहूंगा।

अतएव यह इकरारनामा अंकित कर दिया कि सनद हो और समय पर काम आवें तारीख तहरीर ११-१२-७३ ई० मसविदा कैलाशचन्द्र अग्रवाल फीरोजावाद

नकल ८० सं. ३२४ [illegible] दा. [illegible]

[illegible]

२०-१२-६३

प्रतिलिपि खतौनी ग्राम [illegible] तहसील [illegible] जिला फिरोजाबाद सन् १३८४ फ० से सन् १३८९ फ० तक

खाता का क्रमांक	खातेदार का नाम, पिता का नाम और निवास स्थान	भौमिक अधिकार प्राप्त होने का वर्ष	खसरा संख्या	क्षेत्रफल बन्दोबस्ती बीघा व एकड़ों में	खातेदार द्वारा देय मालगुजारी	परिवर्तन सम्बन्धी आज्ञाओं का सारांश उनकी संख्या तथा दिनांक आज्ञा देने वाले अधिकारी का पद जो R.K. द्वारा साक्षीकृत हुए						टिप्पणी
						सन फसली	सन फसली	सन फसली	सन फसली	सन फसली	सन फसली	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३
३२६	श्रीमती लज्जादेवी पत्नी महेशचन्द्र नि० मुहल्ला ... फिरोजाबाद	सन् १३८२ फ०	२०८	२.०६३	२६.००	आदेश तहसीलदार महोदय मु०नं० ... 22.2.2000 के अनुसार नाम श्रीमती लज्जादेवी पत्नी महेशचन्द्र ... खारिज कर ... के नाम ... दर्ज हो ... 7.3.2000						... 1092 मा० ३२६.००

... मार्फत ... की